G.S. Foundation Batch: ....

ETHICS, INTEGRITY AND APTITUDE
नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिक्षमता

Class Test 8.6

Sheet No. ....

नाम (Name): .... **टॉपिक न॰ (Topic No.):** 06 (Case Studies)

पंजीयन संख्या (Reg. No.) : .... **तारीख (Date) :** ....

इस हाशिये में कुछ न लिखें Don't write anything in margin

CASE STUDY-06

हमारे देश में, ग्रामीण लोगों का कस्बों और शहरों की ओर प्रवसन तेजी के साथ बढ़ रहा है। यह ग्रामीण और नगरीय, दोनों क्षेत्रों में विकट समस्याएँ पैदा कर रहा है। वास्तव में, स्थिति यथार्थ में अप्रबन्धनीय होती जा रही है। क्या आप इस समस्या का विस्तार से विश्लेषण कर सकते हैं और इस समस्या के लिए जिम्मेदार न केवल सामाजिक-आर्थिक, वरन भावनात्मक और अभिवृत्तिक कारकों को बता सकते है? साथ ही, स्पष्ट रूप से उजागर कीजिए कि क्यों-

In our country, the migration of rural people to towns and cities is increasing drastically. This is causing serious problems both in the rural as well as in the urban areas. In fact, things are becoming really unmanageable. Can you analyze this problem in detail and indicate not only the socio-economic but also the emotional and attitudinal factors responsible for this problem? Also, distinctly bring out why–

(a) **शिक्षित ग्रामीण युवा शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित होने की कोशिश कर रहे है;**
Educated youth are trying to shift to urban areas;

(b) **भूमिहीन निर्धन लोग नगरीय मलिन बस्तियों मे प्रवसन कर रहे हैं;**
Landless poor people are migrating to urban slums;

(c) **यहाँ तक कि कुछ किसान अपनी जमीन बेच रहे हैं और शहरी क्षेत्रों में छोटी-मोटी नौकरियाँ लेकर बसने की कोशिश कर रहे हैं।**
Even some farmers are selling off the, land and trying to settle in urban areas taking , petty jobs.

आप कौन-से साध्य कदम सुझा सकते है, जो हमारे देश की इस गम्भीर समस्या का नियंत्रण करने मे प्रभावी होंगे?

What feasible steps can you suggest which will be effective in controlling this serious problem of our country?

(Answer in 250 words, IAS 2014, 20 Marks)

उत्तर : हमारे देश में बड़ी संख्या में ग्रामीण लोगों का शहरों एवं महानगरों में प्रवसन बढ़ रहा है। हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक जनसंख्या का लगभग 40% भाग शहरों में निवास करेगा। इसके परिणामस्वरूप एक तरफ शहरी आधारभूत संरचना एवं सेवाओं की गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है तो दूसरी ओर गांवों में कार्यशील जनसंख्या की कमी होती जा रही है।

KGS : 704, Ground Floor, Main Road, Opposite Batra Cinema, Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph. No. : 9205777817

इस हाशिये में कुछ न लिखें
Don't write anything in margin

इस हाशिये में कुछ न लिखें
Don't write anything in margin

शहरों की ओर पलायन क्यों?

- रोजगार के विविध अवसर
- शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन
- शहरी जिन्दगी का आकर्षण एवं चकाचौंध
- गांव में बेरोजगारी एवं बेगारी (forced labour)
- गांव में भेदभाव एवं शोषण

इस समस्या के लिए जिम्मेदार कारक निम्नलिखित हैं-

- *सामाजिक-आर्थिक कारक*- गाँव में अभी भी जाति आधारित भेदभाव और शोषण के साथ लैंगिक और धार्मिक भेदभाव विद्यमान है। गांव में रोजगार के अवसर सीमित हैं। अधिकांश जनसंख्या कृषि पर आधारित है जिसमें प्रच्छन्न बेरोजगारी *(disguised unemployment)* की स्थिति है।
- *भावनात्मक कारक*- बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और बेहतर भविष्य की चिंता ।
- *अभिवृत्तिक कारक*- शहर में रहना सम्मान की बात ।

पूछे गए विशिष्ट प्रश्नों के उत्तर निम्नलिखित हैं-

(a) शहर में रोजगार के विविध अवसर मिल जाते हैं। शिक्षित ग्रामीण युवा अपनी क्षमता एवं योग्यता के अनुसार रोजगार के अवसर तलाश सकता है। साथ ही यहाँ नकद वेतन मिलता है।

– शहर की चकाचौंध एवं मनोरंजन के साधन, सामाजिक खुलापन युवाओं को आकर्षित करता है।

(b) गांवों में बेगारी करने, भेदभाव एवं शोषण से बचने तथा बच्चों के बेहतर पढ़ाई-लिखाई एवं भविष्य हेतु भूमिहीन निर्धन लोग नगरीय मलिन बस्तियों में भी प्रवसन कर रहे हैं।

(c) परम्परागत रूप से की जाने वाली खेती में फायदा कम और अनिश्चितता ज्यादा है। इसमें मेहनत अधिक है और आय कम है। पुनः अब खेती में भी आधुनिक तकनीकों का प्रयोग हो रहा है, जिससे अधिकांश किसान अनभिज्ञ होते हैं। परिणामस्वरूप वे शहरी क्षेत्र में छोटी-मोटी नौकरियाँ लेकर बसने की कोशिश करते हैं।

इस समस्या के समाधान के निम्नलिखित उपाय संभव हैं-

1. गांवों में आधारभूत संरचना को मजबूत करने पर बल दिया जाए। विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, संचार एवं परिवहन की समुचित व्यवस्था की जाए।
2. गाँवों में कृषि आधारित उद्योग, ग्रामीण पर्यटन तथा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर रोजगार के नये अवसर खोले जाएं।
3. ग्रामीण रोजगार एवं कौशल विकास के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों जैसे- मनरेगा (MNREGA), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) आदि को प्रभावी रूप से कुशलतापूर्वक लागू किया जाए।

■■■■

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

KGS : 704, Ground Floor, Main Road, Opposite Batra Cinema, Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph. No. : 9205777817